मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.जे.वाई.-003 : पंचांग एवं मुहूर्त

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। 'क' एवं 'ख' खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए : 20×3=60

(क) पञ्चाङ्ग के **पाँच** अङ्ग कौन-कौन-से हैं ? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(ख) करण साधन विधि स्पष्ट करते हुए चक्र द्वारा चर व स्थिर करणों को स्पष्टता से लिखिए।

(ग) नक्षत्रों की विभिन्न संज्ञाओं को लिखिए तथा नक्षत्रानुसार उनमें किये जाने वाले कार्य को भी स्पष्ट कीजिए।

(घ) व्रत, पर्व एवं उत्सवों का शास्त्रीय दृष्टि से निर्णय करते हुए एकादशी व्रत पर विस्तार से लिखिए।

(ङ) पठित अंश के आधार पर विभिन्न पंचांगों की परम्परा का वर्णन कीजिए।

(च) तिथियों का साधारण परिचय देते हुए तिथियों की विभिन्न संज्ञाएँ व स्वामी पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$10 \times 4 = 40$

(क) नक्षत्र एवं चरण के अनुसार जन्माक्षर नामों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

(ख) गृहारम्भ व गृहप्रवेश मुहूर्त्त पर प्रकाश डालिए।

(ग) षोडश संस्कारों का महत्व लिखिए।

(घ) उपनयन संस्कार मुहूर्त्त का वर्णन कीजिए।

(ङ) विवाह संस्कार में त्रिबल शुद्धि क्या है ? वर्णन कीजिए।

(च) योग क्या है ? अवधारणापूर्वक सोदाहरण वर्णन कीजिए।

(छ) नामकरण संस्कार मुहूर्त्त का वर्णन कीजिए।

(ज) सर्वार्थसिद्धि योग कैसे बनता है ? उदाहरण सहित लिखिए।

× × × × × × ×